

I 288

सादाया नृपता प्राप्ता नमः ॥ हाते यथेत्वा हरं ॥ तव ताहा
नृपता नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ विभूति स्तौत ॥ त्रिगवम्भ ॥ ऐं आ
त्मनः वाय स्वाहा ॥ ह्रीं धिया तत्ताय स्वाहा ॥ सौं शिव तत्ताय
स्वाहा ॥ न्यास ॥ वामे गुरवे नमः ॥ दक्षिणे गणपतये नमः
अग्रे स्वेष्ट देवताये नमः ॥ ॐ ॥ कर्त्तव्यास ॥ सौ अष्टाय
फर ॥ ऐं अंगुष्ठाभ्यां नमः ॥ ह्रीं तर्जनीभ्यां नमः ॥ सौ मध्य
माभ्यां नमः ॥ ऐं अनामिकाभ्यां नमः ॥ ह्रीं कनिष्ठकाभ्यां
नमः ॥ सौ करतरयष्टाभ्यां नमः ॥ हुं दादि ॥ ऐं हृदय

यममः ॥ हृदि ॥ कीर्तिशरस्त्रे स्वाहा ॥ प्रारुसि ॥ सौं श्री स्वयं
षट् ॥ शिखायां ॥ हें कवचाय हूं वक्ष्याः ॥ कीर्तिनेत्रयाय
वोषट् ॥ नेत्रयाः ॥ सौं अक्षयये ॥ अक्षया ॥
विभूतिदेवाहा हातितयजलतयेकहमद्वयाङ्गलोक
प्रेये ॥ मंत्र ॥ ॐ अग्निरिति भस्मजलमिति भस्मरूप
नमिति भस्मवायुरिति भस्मव्योममिति भस्मसर्वभूत्मा
यमहादेवाय नमः ॥ ॥ लाहानविद्वत्तिसूय ॥ जि

कोशाचोय ॥ दधुस हूं अक्षरद्वेगात्तयोय ॥ होस्वा
हा ॥ १०० ॥ साधन ॥ ॥ विभूतितय ॥ ॐ शिवशिवाय न
मः ॥ मधु ॥ ॐ ब्रह्मणे नमः ॥ सोमते ॥ ॐ नीलक
ण्ठाय नमः ॥ करेठ ॥ ॐ हव्यवाहमाय नमः ॥ हृदि
॥ ॐ कन्दराय नमः ॥ उदरे ॥ ॐ देवदेवेशाय नमः
॥ नाभौ ॥ ॐ इन्द्राय नमः ॥ दक्षह्क्त्रे ॥ ॐ आदित्या
य नमः ॥ जवकुल्याय ॥ ॐ सोमाय नमः ॥ जवमति

वन्दे ॥ ॐ वा म देवाय नमः ॥ वामस्वदे ॥ ॐ प्र भ जग
य नमः ॥ देवाय नमः ॥ ॐ अनित्यं नमः ॥ देवा
माय नमः ॥ ॐ ह राय नमः ॥ वे को नरेवे ॥ ॐ मे ह्ये
राय नमः ॥ के ये ने स्वे ॥ ॐ का हा गिरु डाय नमः ॥ ॐ
ता ने रेवे ॥ ॐ द क्षिणामूर्ते ये नमः ॥ मिखाने रेवे ॥ ॐ
वन्दे शे रेवे राय नमः ॥ क पा डु य के ॥ व सु भो न नः ॥

ॐ गा धि ॥ ॐ स्वर्ग म स्मा य मह दे वाय नमः ॥ सा
ना पा बु या भा य या य ॥ ला हा सि या व ना तु डा वृ क्ष
य ॥ ॥ आ च म्य ॥ ग प ॥ हा स्वा हा ॥ १०० स्तोत्र ॥ ॥
नमः शि वाय नमः ॥ कार रात्र य ह त वे ॥ नि वे द या
मि वा त्मा ने त्वे गति परेश्वर ॥ ॥ मुख वा य ॥ ॥
त्रि रत्न म्य ॥ ॥ ह कां था धे य स ॥ जि का य ॥ त्वे स्ता
न ॥ स हा मु दान ॥ ॥ ॥ इति वि मूर्ति स्नान ॥ ॥

अथ तिगा च नमः ॥ ॥ आचम्य ॥ हे आत वाय स्वाहा ॥ लीं
 विद्या तत्पाय स्वाहा ॥ सो वि चित वाय स्वाहा ॥ ॥
 लान च न सिद्धि र अक्षत पुष्य ॥ ॥ आचम्य ॥ न्यास
 ॥ ॥ सो अष्टाय फट् ॥ हे अं शुद्धाभ्यां नमः ॥ लीं तर्जनी
 च निमः ॥ सो मध्यामी भां नमः ॥ हे अनामिका भ्यां निमः
 ॥ लीं कनिष्ठका भ्यां नमः ॥ सो करतल पृष्ठाभ्यां नमः
 ॥ हे हृदयाय नमः ॥ हे हृदये ॥ लीं शिरसे स्वाहा ॥ शिर
 ॥ सो शिखायां धट् ॥ शिखायी ॥ हे कवाचाय हे ॥ क

२ अर्धास पूजायाय ॥ धट् ॥ ॥ आवाहनादि ॥ हे तुमुद्रादर्शयेत
 व वयो ॥ लीं नेत्रत्रयाय धट् ॥ नेत्रयो ॥ सो अष्टाय
 फट् ॥ अष्टौ ॥ गणेशाय नमः ॥ यमासनाय नमः ॥ म
 षासेनाय नमः ॥ गांगराय नमः ॥ ३ ॥ कलिगुरु
 स्वाहा ॥ ॥ आवाहनादि कन्दनाक्षतपुष्पं नमः ॥ गज
 मुद्रादर्शयेत् ॥ ॥ जोष ॥ ग्लौ स्वाहा ॥ १० ॥ त्रय काया
 वतने ॥ हे अं पृष्ठराग स्वाहा ॥ मरुदलदयवे ॥ ॥
 सोत्र दिवेदुमोति मन्दार मेकरन्दकनोरुगा ॥ वि
 आचम्य पूजा ॥ ॥ अत न च नमः ॥ आचम्य पुष्पं नमः ॥ आचम्य नागाय नमः ॥

अथ मूलदेवी श्री त्रिपुर सुन्दरी पूजा ॥ ॥ त्रिशचम
३ ॥ हे आत्मनः कल्याणाय स्वाहा ॥ ह्रीं विद्यातन्त्राय स्वाहा
॥ ऐश्वर्याय स्वाहा ॥ ॥ स्नानादि चाय ॥ स्नानं
नमः ॥ चन्दनं नमः ॥ सिंदूरं नमः ॥ अक्षतं नमः ॥
पुष्पं नमः ॥ ॥ आचम्य ॥ ३ ॥ सूर्यार्घ्यः ॥ चन्दनाक्षत
पुष्पजलकाया ववाच ॥ अहं ह्यहं प्राय श्रीमहा
त्रिपुर सुन्दर्या नित्य कर्म पूजां कर्तुं श्री कुलमा

त्रैलोक्ये वायनमः ॥ पुष्पं नमः ॥ ॥ देवाताहा तिडु
लासके गङ्गाया व स्वां जो नावतय ॥ ॥ हे अख
ण्डमण्डलाकारं व्याप्येन चरं चरं । तत्पदं दर्शि
तं येन तस्मै श्री गुरुवे नमः ॥ सहा इत्यनेन ॥ कण्ठ
तने ॥ गुरुब्रह्मा गुरुविष्णु गुरुदेवो महेश्वरः । गुरुदे
वो जगत्सर्वतस्मै श्री गुरुवे नमः ॥ अर्घ्यं पात्रास्मिन्ना
यनमः ॥ अर्घ्यपात्रे स ॥ जलपात्रास वायनमः ॥
वलिपात्रासनाय नमः ॥ वलिस ॥ १

घान्तरुहेरम्बरणाभ्युजोरेरावः ॥ ॥ मण्डलवि
सज्ज ॥ ॥ आचम्य ॥ ३ ॥ ग्यास ॥ ॥ रुपायाथे ॥ ॥ स्फुट्य
जा ॥ ॥ पत्रासनाभ्युजमः ॥ अत्वासनाभ्युजमः ॥ ३ ॥
हींसश्रीसूर्याभ्युजमः ॥ ३ ॥ वति ॥ आवाहनादिवद
नाक्षतपुष्पमः ॥ कमलमुद्रां दर्शयेत् ॥ जप ॥ ३ ॥
हींसस्वाहा ॥ १० ॥ जपनिवेदन ॥ ३ ॥ रुपायाथे ॥ - ॥
सात्र ॥ जबाकुसुमसंकासंकासंकाशपेयमहा

पूति ॥ तमोरि सर्वपापघ्नं प्रणमामि दिवाकर ॥
मण्डलवि सज्ज ॥ ॥ आचम्य ॥ ३ ॥ ग्यास ॥ ॥ रुपाया
थे ॥ ॥ नाएयनपूजा ॥ पत्रासनाभ्युजमः ॥ गरुडा
सनाभ्युजमः ॥ ३ ॥ हींसनारायनाभ्युजमः ॥ ३ ॥ वति
॥ आवाहनादिवदनाक्षतपुष्पमः ॥ शंखमुद्रा
दर्शयेत् ॥ ॥ जप ॥ ३ ॥ हींसस्वाहा ॥ १० ॥ जपनिवे
दन ॥ रुपायाथे ॥ ॥ मण्डल ॥ सात्र ॥ शंखचक्र

गङ्गायामागच्छोयस्यवाहन। समकरोत्तकल्या
नं पश्यतामोजनार्दन॥ मण्डलवित्तज्य॥ अत्र
म्य॥ ३॥ न्यासहूपायाथ॥ ॥ अथशिवपूजा॥ पद्मा
सनायनमः॥ दृष्ट्वा सनायनमः॥ ॐ नमस्तुभ्यं
शशदाशिवायनमः॥ ३॥ तति॥ आवाहनादिवन्दना
क्षतपुष्पनमः॥ ३॥ मस्तुभ्यं शूलमुद्रांदरीयेत्॥ ॥
जप॥ ॐ नमस्तुभ्यं॥ १०॥ जपानिवन्दनहूपायाथ॥

मण्डल॥ स्तोत्र॥ नमः शिवाय शास्त्राय कारणात्
यहेतवोतिवेदयामि वात्मानं त्वंगतिपरमेश्वर॥
मुखवाद्य॥ ॥ आरम्य॥ न्यासहूपायाथ॥ ॥
संहारमुद्रानखद्वयानवाय॥ स्वच्छानवासोभवत्
॥ श्रीशक्तिगोविन्दनमः॥ अथतेपेयायनया॥ ॥

सो अकाम्यकरु ॥ सो हामे ये के दु यका वहा सति जम जया य
अर्थास ॥ शंख पात्रासनाय नमः ॥ शंख त ॥ उगाता
सनाय नमः ॥ सोसास ॥ ॥ अथ न्यास ॥ बामे गुरवे न
मः ॥ दक्षिणे गणपतये नमः ॥ अग्रे स्वाहा १० ॥ रस्वाहा १० ॥ व
स्वाहा १० ॥ ॥ करं न्यास ॥ सो अकाम्यकरु ॥ ऐं अंगु
ष्ठाय नमः ॥ ह्रीं त्रिनीभ्यां नमः ॥ सो मध्यमाभ्यां
नमः ॥ ऐं अनामिकाभ्यां नमः ॥ ह्रीं कनिष्ठकाभ्यां
शंख अर्था शंख तये ॥ भुं गं गेषु यमुने च वज्रोडाव री शंख
स्वती ॥ नमो देवसि तु कावेरी डाते स्म सन्निविधुः ५

नमः ॥ सो करतल एव न्यास ॥ ॥ हृदयादि ॥
हृदयाय नमः ॥ हृदि ॥ ह्रीं शिरो स्वाहा ॥ शिर ॥ सो
शिखाय नमः ॥ शिखाय ॥ ऐं कवचाय हूं ॥ कव
चाय ॥ ह्रीं नेत्रत्रयाय नमः ॥ नेत्रयो ॥ सो अष्टा
य फेद ॥ अष्ट ॥ ॥ उल्लापात्र पूजा ॥ उल्लापात्रा
सनाय नमः ॥ ऐं ह्रीं उल्लापात्र भक्तिकार्येण
पुकां ॥ ॥ वरुंग ॥ ऐं हृदयाय नमः ॥ ह्रीं शिरो स्वा
हा ॥ सो शिखाय नमः ॥ ऐं कवचाय हूं ॥ ह्रीं ने

अथ मूलदेवी श्री त्रिपुरसुन्दरी पूजा ॥ ॥ त्रिशचन
३ ॥ हे आत्मनः परमात्मनः ॥ त्वं विद्यातन्मायस्वाहा
॥ त्वं शिवतन्मायस्वाहा ॥ ॥ स्नानादिशाय ॥ स्नान
नमः ॥ चन्दननमः ॥ सिंदूरनमः ॥ अक्षतनमः ॥
पुष्पनमः ॥ ॥ आथम्य ॥ ३ ॥ सूर्यार्घ्यः ॥ चन्दनाक्षत
(पुष्प) जलकायाववाक्य ॥ ओम् नमो भूय श्रीमहा
त्रिपुरसुन्दर्या नित्यकर्म पूजा कर्तुं श्री कुलमा

र्त्तुरात्रैवायनमः ॥ पुष्पनमः ॥ ॥ देपात्ताहा सिंदु
लासके गङ्गायावस्वाञ्जोनावतन्य ॥ ॥ सै अरव
रात्रमरात्राकारं व्याप्तियेन वराचरं । तत्पदं दर्शि
तयेव तस्मै श्रीगुरुवे नमः ॥ सहा इत्यनेन ॥ कथं
तने ॥ गुरुवृत्ता गुरुविष्णु गुरुदेवो महेश्वर ॥ गुरुदे
वतात्सर्वतस्मै श्रीगुरुवे नमः ॥ अर्चयान्नासना
यनमः ॥ अर्चयान्नासना ॥ जलपात्रासनायनमः ॥
वलिपात्रासनायनमः ॥ वलिस ॥ १

त्रेयाय नमः ॥ सौ प्रद्योतपरदुः ॥ ॥ शंखपूजा ॥ ॥
शंखपात्रासनयनमः ॥ ऐं ह्रीं सौ शंखपात्रभक्तारि
कार्यपादको ॥ ॥ वडंग ॥ ऐं हृदयाय नमः ॥ ह्रीं शिर
से स्वाहा ॥ सौ शिरसाय वौषट् ॥ ऐं क बाचाय हुं ॥ ह्रीं ने
त्रेयाय वौषट् ॥ सौ अक्षयपरदुः ॥ ॥ आयासनादि स
म्पत्तिप्राप्तये नमः ॥ ॥ विगु शंखमुद्रा दर्शयेत् ॥ ॥
शंख अर्घ्यानां तत्त्वं देव कति थाव शिरस्येति

य ३
प्राप्तये ॥ ऐं त्रिपुरादेवी विद्महे ह्रीं कामेश्वरी वी
महे सौ त्रिपुरा भक्तप्रचोदयात् ॥ ३ ॥ ॥ अर्घ्यपात्रपू
जा ॥ ॥ अर्घ्यपात्रासनयनमः ॥ ह्रीं ॥ त्रिकुटिमुद्रा
वकाले ॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं पंचरत्नाय नमः ॥ ऐं ह्रीं सौ
अर्घ्यपात्रभक्तारि कार्यपादको ॥ वडंग ॥ ऐं हृदयाय
नमः ॥ ॥ शिरसे स्वाहा ॥ सौ शिरसाय वौषट् ॥ ऐं क
बाचाय हुं ॥ ह्रीं नेत्रेयाय वौषट् ॥ सौ अक्षयपर

॥ ॥ आवाहनद्विचरमासतपुष्पानमः ॥ शिवानिमुद्रा
 दर्शयेत् ॥ ॥ कछुनजानभूतमुधि ॥ ऐं नेफु लीं
 नुगले ह्रीं शिरे ह्रीं शिरे ह्रीं नुगले ॥ ऐं नेफु ॥ ॥
 उरुतंतिया ॥ ऐं सबन वाहु की ॥ किं गंतिया ॥ ह्रीं अ
 सत वाहु की ॥ सिंदुरं ति य ॥ सौं सिंदुरं पाहु कां ॥ अर्घ
 पात्रयालं रवन तिया ॥ ऐं सर्वजन को हवी पाहु कां ॥
 ह्रीं सौं नामो छत्रा लं कार पुष्प वाहु की ॥ ३ ॥ ॥

स्वानुद्वये ॥ ॥ शिरे पूजा ॥ ऐं ह्रीं सौं पाहु कां ॥ ३ ॥
 अर्घपात्रयालं रवन हार ॥ शुभो पाहु कां ॥ ३ ॥ ॥
 देवता हाति स्था के ग्वतया वचो लान वलिधि
 ये ॥ ॥ श्रीं सर्वार्थ मारु ल्य स्तोक्रमपद सहितानन्द
 शक्ति सुभीमा ॥ सहृदय चतुर्दश अकुल कलगा
 तं पंच भू वास्य षड्क ॥ चत्वारो पंच भू वास्य पुनरपि
 चतुर तं शतमराहति संसृष्टं यनत स्मनमथ

गुरुवरं भैरवं श्रीकुजेशं ॥ इदं आवाहयिष्ये आवाह ॥
वह्निं सरोते ॥ ॥ ततो त्रिदेवपूजा ॥ नारायणाय पा
दुकां ॥ श्रीक्षेत्रपालाय पादुकां ॥ वह्नि ॥ वह्निं गृह
स्था ॥ मयुरासनाय पादुकां ॥ श्रीशिवकुलपुत्र
तुङ्गनाथाय पादुकां ॥ वह्नि ॥ सुखासनाय पादुकां
॥ गौरीगुरुकुलगोश्वराय पादुकां ॥ वह्नि ॥ आवा
हतादिचन्दनाक्षरापुष्पनमः ॥ इत्युक्तं ऊर्ध्वं

हे पञ्चभेतासनाय पादुकां ॥ त्रैलोक्यप्रधानाय नमः ॥

जमुद्रां दर्शयित् ॥ ॥ तर्पणं ॥ श्रीनाथाय नमः ॥ श्रीसि
द्धिनाथाय नमः ॥ श्रीत्रिपुरनाथाय नमः ॥ ॥
अथ मूलदेवीपूजा ॥ ॥ पद्मासनाय पादुकां ॥ रत्नप
द्मासनाय पादुकां ॥ ॥ व्यासं ॥ पाद्माक्षं मरुत्ताभा
सां चतुर्वीहं त्रिलोचनं ॥ पाशं कुशं शरां चापं धार
यन्निशिवाभ्युजो ॥ श्रीमहात्रिपुरसुखदेव्यै व्यास
पुष्पनमः ॥ ॥ श्रीमहात्रिपुरसुन्दरी देव्यै इत्युक्तं

देवाहातमयी योव प्राणप्रतिष्ठायाय २

इहातिष्ठ अत्र सप्रिधि नो भव अत्र प्रिस्थानं कुरु
मम पञ्चांगुहाण ॥ श्री महात्रिपुरसुन्दरी या प्राणा
प्रतिष्ठा ॥ ॐ ओं ह्रीं क्लीं ह्रीं क्लीं श्री महात्रिपुरसुन्द
री देव्या इह प्राणाप्रतिष्ठाभव ॥ ॥ श्री महात्रिपुरसु
न्दरी देवी धीर्घं २ अर्घं २ आचमनीयं २ पुनराच
मनीयं २ स्नानं २ चन्दनं २ सिद्धिं २ अक्षतं २ पुष्पं
२ ॥ ॥ त्रिप्राणिति ॥ ह्रीं क्लीं श्री महात्रिपुरसुन्दरी

देवी वाङ्मयपूजायामिनमः ॥ ३ ॥ षडङ्ग ॥ ह्रीं हृदया
यनमः ॥ क्लीं शिरसे स्थाहा ॥ सौं शिरसाय वौ षट् ॥ ह्रीं क
वचाय हुं ॥ क्लीं नेत्रत्रयाय वौ षट् ॥ सौं अष्टाय फे ॥
बलि ॥ ॥ आवाहनं दिव्यदत्तं क्षेत्युद्योतनमः ॥ ॥
यो मुद्रां दर्शयेत् ॥ ॥ त्वा वीक्ष्य ॥ क्षीं क्षेत्रपालाय
बलिं गृह्ण ॥ स्वाहा ॥ श्री ह्रीं क्लीं पुत्रवद्वदनाथाय व
लिं गृह्ण ॥ स्वाहा ॥ गोपी गौरी कृतगणाय वलिं गृह्ण

ॐ स्वोहा ॥ यो ये निनी भ्यो वलिं गृह्ण २ स्वोहा ॥ ह्ये
सिद्धि वामरोपुवरी विभ्यो वलिं गृह्ण २ स्वोहा ॥ ह्ये मरा
कर्ता वीरं मरणा विपतये वा लिं गृह्ण २ स्वोहा ॥ सर्व
भ्यर्त्तिभ्यः वलिं गृह्ण २ स्वोहा ॥ सर्वभ्यः पिशाचभ्यः
वलिं गृह्ण २ स्वोहा ॥ सर्वभ्यः देवताभ्यः वलिं गृह्ण
२ स्वोहा ॥ सर्वभ्यः स्वदेवताभ्यः वलिं गृह्ण २
स्वोहा ॥ सर्वभ्यः स्वचरी भ्यो वलिं गृह्ण २ स्वोहा ॥

वलिं ह्ये ॥ अस्मत्तु दुर्गा मायश्री महात्रिपुरसूक्त
री देवातिपक मदेवा च न पूजा कर्त्तुं एतन्मापू
जा वलिं गृह्ण २ स्वोहा ॥ ॥ आवाहनादिवेत्ताक्षि
तपुर्ग नमः ॥ यो निमुद्रादश्चित् ॥ ॥ तपसा ॥ ॥
ने वेद्यशोधन ॥ अर्घपात्रयाही खन ह्ये ॥ तौ अष्ट
यपह्ण ॥ ह्ये अवगुंठनं ॥ ही ताडनं ॥ तौ आनये
सोधन ॥ ह्ये त्रिपुरादेवी विप्रहृती कामज्वरी धी

महेशोभतः प्रसादया ॥ ३ ॥ हं स्वयं स्वकया
नैवैश्वर्यं कातने ॥ इदं नैवैश्वर्यं नमः ॥ लाहने
प्राक्तेने ॥ ॥ देवालाहातया दुता स अर्घपात्र
याते एनत्रिकाराचो यावंचन्दनायतपुण्यात् ॥
जप ॥ ऐं ह्रीं स्वाहा ॥ १०८ ॥ जपसमर्पणा ॥
हं स्वयं कावतने ॥ इदं जपं गृह्णतवाहा ॥ ॥
मराडहा ॥ स्तोत्र ॥ ॥ ऐं अस्वराडमराडलाकारं व्या

व्याप्तीयेनचराचरं । तस्य दंदर्शि तं येन तस्मै श्रीगुर
वेनमः ॥ ॥ श्रीशंभुभागराहासेक्रमपदसहिता
नन्दशक्तिसुभीमासृष्टिमायेचतुर्कृत्यकुहाकुत
गतं पंचकचान्यघटकं । चत्वारोपचकोरापुनपि
हीनुरतेयत्तमराडलेन संसृष्टं येन तस्मै नमः ॥ ग
रुवरभैरवं श्रीकुजेश ॥ मायाकुण्डलनी ॥ श्रीयाम
भूमती ॥ कालिकलाभालिनी ॥ मातङ्गी विजयाजा

या भगवती देवी शिवाया इति भवती ॥ शक्तिर्देवी रविव
जा त्रितयनी वाग्यादिर्नमिरेवी ॥ ह्रींकारोर्निपुणं
स्य मयी माता कुमारी त्यसी ॥ ॥ केव्यताते ॥ य
थायासा प्रहाराणां कथंच भवतु वारणां ॥ तत्र दे
वा विधातृणां शास्त्रिभविनु वारणां ॥ योनिमुद्रान
नस्कार ॥ अत्र त्रैलोक्यं नमिरेव सारणां मयी
तस्यात्कारन्यभावेन रक्षसां परमेश्वरी ॥ ॥

नैवेद्यद्वय ॥ अतश्च ॥ ॥ तर्पणा ॥ मण्डलस्य के
व्यकायावतिने ॥ त्वानपायाव छये ॥ सहास्व
केव्यताते ॥ नपाहा ॥ इति नैस्वानपायाव अर्च
पानियातं रयत हाया व छये ॥ ॥ विहाय यं ॥ वि
तंग ॥ रश्वाहा ॥ हं सोहा ॥ ह्रीं वाति सों मुगु
हं थिये सो ॥ अष्टाये ॥ हं ताहा वादाये के ॥ य
सहार मुद्रान स्वस्थानया ॥ स्वस्थान वासा भव

तु॥ शोख अर्घ्या लंख हूतुतु शतय अर्घपात्र
 भागुगय पंचपात्रया लंखतये ॥ ॥ आचम्य ३
 आसलिकये ॥ ॥ साधिपाय ॥ अस्मत्तु ३
 माय श्रीमहात्रिपुरसुन्दरी देव्या नित्य कर्म देवा
 र्थन पूजा स कर्मा ॥ यै कृत कर्म साधिने श्री स र्वा
 य अर्घनमः ॥ पुष्पनमः ॥ इति त्रिपुरसुन्दरी पूजा

वलिदेव्य ॥ साहसिध ॥ आचम्य ॥ निर्मात्य पूजा ॥ त्रिन्मी
 त्य श्रीवराहनाथारनमः ॥ पुष्पनमः ॥ योनिमुद्रा ॥ ॥



ASHA ARCHIVES

संस्कृत साहित्य

1887

I

ASHA ARCHIVES

Handwritten text in Devanagari script, likely a religious or philosophical passage, inscribed on a piece of aged, textured paper. The text is arranged in approximately seven lines, though some characters are obscured by the paper's texture and staining. The script is a historical form of Devanagari, possibly from the 18th or 19th century. The paper is heavily discolored and shows signs of significant wear and tear, including a large, irregular tear on the right side.

1887

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

अथ द्वा द्विधा च
यम द्विधा च

दीर्घ कानन
गो बाव

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ कृष्णकृतः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible][illegible]

२. ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

કાકાકાકા ॥ ૧૨ ॥ ૩૨ ॥ ૪૨ ॥ ૫૨ ॥ ૬૨ ॥ ૭૨ ॥ ૮૨ ॥ ૯૨ ॥ ૧૦૨ ॥ ૧૧૨ ॥ ૧૨૨ ॥ ૧૩૨ ॥ ૧૪૨ ॥ ૧૫૨ ॥ ૧૬૨ ॥ ૧૭૨ ॥ ૧૮૨ ॥ ૧૯૨ ॥ ૨૦૨ ॥ ૨૧૨ ॥ ૨૨૨ ॥ ૨૩૨ ॥ ૨૪૨ ॥ ૨૫૨ ॥ ૨૬૨ ॥ ૨૭૨ ॥ ૨૮૨ ॥ ૨૯૨ ॥ ૩૦૨ ॥ ૩૧૨ ॥ ૩૨૨ ॥ ૩૩૨ ॥ ૩૪૨ ॥ ૩૫૨ ॥ ૩૬૨ ॥ ૩૭૨ ॥ ૩૮૨ ॥ ૩૯૨ ॥ ૪૦૨ ॥ ૪૧૨ ॥ ૪૨૨ ॥ ૪૩૨ ॥ ૪૪૨ ॥ ૪૫૨ ॥ ૪૬૨ ॥ ૪૭૨ ॥ ૪૮૨ ॥ ૪૯૨ ॥ ૫૦૨ ॥ ૫૧૨ ॥ ૫૨૨ ॥ ૫૩૨ ॥ ૫૪૨ ॥ ૫૫૨ ॥ ૫૬૨ ॥ ૫૭૨ ॥ ૫૮૨ ॥ ૫૯૨ ॥ ૬૦૨ ॥ ૬૧૨ ॥ ૬૨૨ ॥ ૬૩૨ ॥ ૬૪૨ ॥ ૬૫૨ ॥ ૬૬૨ ॥ ૬૭૨ ॥ ૬૮૨ ॥ ૬૯૨ ॥ ૭૦૨ ॥ ૭૧૨ ॥ ૭૨૨ ॥ ૭૩૨ ॥ ૭૪૨ ॥ ૭૫૨ ॥ ૭૬૨ ॥ ૭૭૨ ॥ ૭૮૨ ॥ ૭૯૨ ॥ ૮૦૨ ॥ ૮૧૨ ॥ ૮૨૨ ॥ ૮૩૨ ॥ ૮૪૨ ॥ ૮૫૨ ॥ ૮૬૨ ॥ ૮૭૨ ॥ ૮૮૨ ॥ ૮૯૨ ॥ ૯૦૨ ॥ ૯૧૨ ॥ ૯૨૨ ॥ ૯૩૨ ॥ ૯૪૨ ॥ ૯૫૨ ॥ ૯૬૨ ॥ ૯૭૨ ॥ ૯૮૨ ॥ ૯૯૨ ॥ ૧૦૦૨ ॥

૧૦૦૨ ॥ ૧૦૦૩ ॥ ૧૦૦૪ ॥ ૧૦૦૫ ॥ ૧૦૦૬ ॥ ૧૦૦૭ ॥ ૧૦૦૮ ॥ ૧૦૦૯ ॥ ૧૦૧૦ ॥ ૧૦૧૧ ॥ ૧૦૧૨ ॥ ૧૦૧૩ ॥ ૧૦૧૪ ॥ ૧૦૧૫ ॥ ૧૦૧૬ ॥ ૧૦૧૭ ॥ ૧૦૧૮ ॥ ૧૦૧૯ ॥ ૧૦૨૦ ॥ ૧૦૨૧ ॥ ૧૦૨૨ ॥ ૧૦૨૩ ॥ ૧૦૨૪ ॥ ૧૦૨૫ ॥ ૧૦૨૬ ॥ ૧૦૨૭ ॥ ૧૦૨૮ ॥ ૧૦૨૯ ॥ ૧૦૩૦ ॥ ૧૦૩૧ ॥ ૧૦૩૨ ॥ ૧૦૩૩ ॥ ૧૦૩૪ ॥ ૧૦૩૫ ॥ ૧૦૩૬ ॥ ૧૦૩૭ ॥ ૧૦૩૮ ॥ ૧૦૩૯ ॥ ૧૦૪૦ ॥ ૧૦૪૧ ॥ ૧૦૪૨ ॥ ૧૦૪૩ ॥ ૧૦૪૪ ॥ ૧૦૪૫ ॥ ૧૦૪૬ ॥ ૧૦૪૭ ॥ ૧૦૪૮ ॥ ૧૦૪૯ ॥ ૧૦૫૦ ॥ ૧૦૫૧ ॥ ૧૦૫૨ ॥ ૧૦૫૩ ॥ ૧૦૫૪ ॥ ૧૦૫૫ ॥ ૧૦૫૬ ॥ ૧૦૫૭ ॥ ૧૦૫૮ ॥ ૧૦૫૯ ॥ ૧૦૬૦ ॥ ૧૦૬૧ ॥ ૧૦૬૨ ॥ ૧૦૬૩ ॥ ૧૦૬૪ ॥ ૧૦૬૫ ॥ ૧૦૬૬ ॥ ૧૦૬૭ ॥ ૧૦૬૮ ॥ ૧૦૬૯ ॥ ૧૦૭૦ ॥ ૧૦૭૧ ॥ ૧૦૭૨ ॥ ૧૦૭૩ ॥ ૧૦૭૪ ॥ ૧૦૭૫ ॥ ૧૦૭૬ ॥ ૧૦૭૭ ॥ ૧૦૭૮ ॥ ૧૦૭૯ ॥ ૧૦૮૦ ॥ ૧૦૮૧ ॥ ૧૦૮૨ ॥ ૧૦૮૩ ॥ ૧૦૮૪ ॥ ૧૦૮૫ ॥ ૧૦૮૬ ॥ ૧૦૮૭ ॥ ૧૦૮૮ ॥ ૧૦૮૯ ॥ ૧૦૯૦ ॥ ૧૦૯૧ ॥ ૧૦૯૨ ॥ ૧૦૯૩ ॥ ૧૦૯૪ ॥ ૧૦૯૫ ॥ ૧૦૯૬ ॥ ૧૦૯૭ ॥ ૧૦૯૮ ॥ ૧૦૯૯ ॥ ૧૧૦૦ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीहरिभ्यो नमः ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १० ॥

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or document.

10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 8

[illegible]

世世世世

(The text in this block is highly stylized and appears to be a form of shorthand or a specific dialect of Devanagari script, likely related to the religious or philosophical context of the manuscript.)

Handwritten text in a cursive script, likely a historical form of Devanagari. The text is arranged in approximately 10 lines across the top page of the manuscript. The script is dense and characteristic of older Indian manuscripts.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical form of Devanagari. The text is arranged in approximately 10 lines across the bottom page of the manuscript. The script is dense and characteristic of older Indian manuscripts.

